

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

ज़मीनी संस्थाओं को अधिकार बिना विकेंद्रीकरण अधूरा

राजस्थान में शहरी निकायों के चुनाव पूरे हो चुके हैं और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव प्रक्रिया में हैं। देश में पंचायती राज व्यवस्था की ऐतिहासिक शुरुआत 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर से हुई थी। लेकिन पंचायती राज संस्थाओं तथा शहरी निकायों को लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में संसद और विधान मंडलों के बाद तीसरे स्तर की संवैधानिक मान्यता 1992 में जाकर मिली जब 73वां और 74वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित हुआ। तब इसे भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक बड़ा और दूरगामी परिवर्तन माना गयाथा।इन संविधान संशोधनों का उद्देश्य अत्यंत स्पष्ट और पवित्र था। सब चाहते थे कि सत्ता के अंतिम छोर तक सत्ता का विकेंद्रीकरण हो, स्थानीय लोगों को अपनी नियति का फैसला खुद करने का अधिकार हो और महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज का सपना साकार हो। किन्तु इस कदम के तीन दशकों बाद भी इस तीसरे स्तर की पूर्ण स्वायत्तता सपना ही बनी हुई है। अब भी इन संस्थाओं पर व्यावहारिक तौर पर राज्य सरकार का नियंत्रण बना हुआ है।

राज्य सरकारें अपने दलीय हितों के आधार पर उनके चुनाव कराती हैं जबकि संविधान संशोधन के बाद से ये चुनाव हर पांच साल में ठीक समय पर उसी प्रकार होने अनिवार्य हैं जिस प्रकार विधान सभा तथा संसद के चुनाव होते हैं। इस बार राजस्थान में ये चुनाव सर्वोच्च अदालत की दखल के बाद ही संभव हो पाये हैं। इन संस्थाओं के चुनाव में राजनैतिक दलों की दिलचस्पी उन संस्थाओं को मजबूत करने की यहीं, बल्कि उनके आधार पर विधानसभा और लोकसभा चुनावों की अपनी जमीन तैयार करने तक सीमित रह गई है। इन संस्थाओं में आने वाले प्रत्याशियों की लालायित नजर भी ऊपरी संस्थाओं के चुनावों पर ही लगी रहती है। जमीनी हकीकत यह है कि संसदीय प्रणाली का यह तीसरा स्तर अत्यंत कमजोर, संसाधनहीन और पंगु बना हुआ है। जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने का जो दावा किया गया था, वह राज्य सरकारों के अत्यधिक हस्तक्षेप, नियंत्रण और आश्रयवादी रवैये के कारण दम तोड़ चुका है और सिर्फ़ रमस अदायगी रह गई है। स्थानीय निकाय तो स्वायत्त शासी संस्थाएं बनने के बजाय राज्य सरकारों के प्रशासनिक विभाग के रूप में ही काम करते नजर आते हैं। सवाल उठता है कि आखिर क्यों स्थानीय स्वशासन का सपना पूरा नहीं हो पाया है? ऐसा इसलिए है क्योंकि बड़े राजनेताओं को सत्ता में यह भागीदारी पसंद नहीं है। वे अपनी प्रभुता को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। यह भी सच है कि तीसरे स्तर की इस कमजोरी का सबसे बड़ा कारण स्वयं संवैधानिक प्रावधानों के भीतर छिपी कुछ संरचनात्मक खामियां भी हैं। 73वें और 74वें संशोधन ने स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा तो दिया, लेकिन उन्हें वास्तविक शक्तियां सौंपने का अंतिम अधिकार राज्य सरकारों के विवेक पर छोड़ दिया।संविधान की 11वीं और 12वीं अनुसूची में क्रमशः पंचायतों के लिए 29 और शहरी निकायों के लिए प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क आदिजैसे 18 विषयों को शामिल किया हुआ है। लेकिन, संविधान यह अनिवार्य नहीं करता कि राज्य सरकारें इन सभी विषयों को स्थानीय निकायों को आवश्यक रूप से सौंपेंगी। राज्यों ने अपनी मर्जी से केवल उन्हीं महत्वहीन शक्तियों का हस्तांतरण किया, जिनसेउनका राजनीतिक नियंत्रण प्रभावित न हो।कई राज्यों में तो यह भी देखा गया है कि जो शक्तियां एक सरकार द्वारा पंचायतों को सौंपी गईं वे अगली सरकार राजनीतिक समीकरणों के आधार पर वापस ले ली गईं। यह लोकतंत्र के साथ एक घिनूना मज़ाक ही कहा जा सकता है। इस अर्निक्षतता के कारण तीसरा स्तर कभी आत्मनिर्भर नहीं बन पाया है।

किसी भी प्रशासनिक इकाई को स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए तीन चीजों की आवश्यकता होती है। एक तो कोष,दूसरा कृत्य, औरतीसरा कृत्य निभाने के लिये कर्मचारी। भारतीय स्थानीय निकायों के संदर्भ में इन तीनों का ही घोर अभाव है, और यही उनकी राज्य सरकारों पर निर्भरता का मुख्य कारण भी है। स्थानीय निकायों की सबसे बड़ी कमजोरी उनकी आर्थिक लाचारी है। वे अपने राजस्व के लिए पूरी तरह से राज्य और केंद्र सरकार के अनुदानों पर निर्भर रहते हैं। उनके निर्वाचित प्रतिनिधि राजनैतिक खांचों में इस तरह विभाजित रहते हैं कि निकाय के अपने संसाधन बढ़ाने के उपाय करने के सामूहिक नितिय नहीं ले पाते हैं। राज्य सरकारों ने आय के बड़े और गतिशील स्रोतों को अपने पास रखा है। स्थानीय निकायों के पास केवल छोटे-मोटे कर, जैसे गृह कर, जल कर, या

जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने का जो दावा किया गया था, वह राज्य सरकारों के अत्यधिक हस्तक्षेप, नियंत्रण और आश्रयवादी रवैये के कारण दम तोड़ चुका है

है। आयोग की सिफारिशें लागू करना भी राज्य सरकार के रहम-अो-कर्म पकर निर्भर करता है। इस कारण पंचायतोंव शहरी निकायों को धन के लिए राज्य सरकार की कृपा पर निर्भर रहना पड़ता है। भले ही कागजों में स्थानीय निकायों को कुछ कार्य सौंपे गए हैं, लेकिन व्यवहार में राज्य सरकारें समानांतर संस्थाओं के माध्यम से उन कार्यों को अपने नियंत्रण में रखती हैं। स्मार्ट सिटी मिशनऔर जल एवं स्वच्छता मिशन जैसी संस्थाएं सीधे राज्य सरकार के नियंत्रण में काम करती हैं। ये संस्थाएं चुनी हुई निचली स्थानीय संस्थाओं के अधिकारों का अतिक्रमण करतीहैं। यह भी विडंबना ही है कि स्थानीय निकायों के पास अपना स्वयं का कोई बैंकडर या समर्पित प्रशासनिक तंत्र नहीं है, इसलिए राज्यों के अधिकारियों का वहां दबदबाबना रहता है। ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव और नगर पालिकाओं में मुख्य कार्यकारी अधिकारी या कमिश्नर जैसे अधिकारी सीधे राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। ये अधिकारी जनता द्वारा चुने गए सरपंच या मेयर के प्रति जवाबदेह होने के बजाय राज्य के मंत्रियों और सचिवों की अधिक सूची हैं। पंचायती राज का तीसरा स्तर मजबूत न बनने के पीछे एक बड़ा कारण राज्य स्तर के राजनेताओं का मिथ्या अभिमान और उनमें असुरक्षा की भावना भी है।यदि जिला परिषदों के अध्यक्ष, मेयर या सरपंच आर्थिक और राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हो गए, तो क्षेत्र में उनका अपना राजनीतिक कद बढ़ जाना स्वाभावित राजनेताओं को रास नहीं आता क्योंकि स्थानीय स्तर से नए और मजबूत नेता उभरते हैं तो पुराने नेतृत्व को चुनौती मिल सकती है।

एक और विरोधाभास है। केंद्र और राज्य सरकारें सांसदों और विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए सीधे करोड़ों रुपये की राशि देती हैं। यह राशि उन कार्यों पर खर्च की जाती है जो आदर्श रूप से स्थानीय निकायों को करने चाहिए। यह व्यवस्था तीसरे स्तर की स्थानीय सरकारों की बाईपास करती है और जनता के बीच यह संदेश देती है कि विकास केवल विधायक या सांसद ही करा सकते हैं, न कि स्थानीय पार्षद या सरपंच।इसके अलावा, राज्य सरकारों के पास स्थानीय परिषदों को भंग करने या निर्वाचित प्रतिनिधियों को निलंबित करने की विशाल शक्तियां हैं, जिसका उपयोग अक्सर राजनीतिक प्रतिशोध के लिए किया जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों की अधिकांश योजनाएं लक्षित होती हैं। इन योजनाओं के लाभार्थियों के चयन की लगाम अप्रत्यक्ष रूप से राज्य सरकार के स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों पास होती है, न कि ग्राम सभा के पासा।जो पंचायतें या शहरी निकाय राज्य में सत्तारूढ़ दल की विचारधारा या स्थानीय विधायक के प्रति वफादार होते हैं, उन्हें तो विकास कार्य के लिए भरपूर फंड मिलता है, लेकिन इसके विपरीत, जहां विपक्ष समर्थित प्रतिनिधि चुने जाते हैं, वहां के विकास कार्यों को ठप करने के ही जतन होते हैं। संविधान में महिलाओं तथा समाज के वंचित वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था करके सामाजिक बदलाव लाने का प्रयास कियागया। लेकिन ज़मीनी स्तर पर पितृसत्तात्मक और सामंतवादी सोच ने इसे पूरा सफल नहीं होने दिया है।सुरक्षित सीटों से महिलाएं चुनाव तो जीत जाती हैं, लेकिन वास्तविक सत्ता उनके पति, पिता या ससुर के हाथों में ही केंद्रित रहती है। आधिकारिक बैठकों में भी महिलाओं की जगह उनके पुरुष रिश्तेदार शामिल होते हैं।हालांकि अब पढ़ी लिखी नवयुवतियां अपनी हैसियत दिखाने लगी हैं लेकिन वे नगण्य हैं।

एक परिपक्व और मजबूत लोकतांत्रिक शासन इसआधे-अधूरे विकेंद्रीकरणके बाहर निकलने से ही संभव है। इसके लिए राजनैतिक रूछाशक्ति के साथ सुधारात्मक कदम उठाने की तैयारी बहुत जरूरी है। संविधान में युनः संशोधन करके 11 वीं और 12 वीं अनुसूची के विषयों को राज्यों के विवेक के बजाय, उन्हें स्थानीय निकायों को हस्तांतरित करना कानूनी रूप से अनिवार्य बनाया जाना इसका हल हो सकता है। साथ ही, केंद्रीय और राज्य करों में स्थानीय निकायों के हिस्से को जोएसटी की तर्ज पर सीधे और बिना किसी देरी के उनके खालों में स्थानांतरित करने की व्यवस्था होनी चाहिए। जिला योजना समितियों की भी वास्तविक रूप से सक्रिय करना होगा। नौकरशाही को स्थानीय निकायों के अधीन काम करने के लिये प्रेरित करना होगा, और उनके ऊपर रौब बनाये रखने वाली हालत बदलनी होगी। स्थानीय संस्थानों के लिए समर्पित प्रशासनिक केंडर बनाना होगा ,ताकि अधिकारी स्थानीय विकास के प्रति जवाबदेह बन सकें।इस प्रकार स्थानीय निकायों को राज्य के दखल और आश्रय के दुष्प्रक्र से बाहर निकालना ही असली हल है। इसीसे विकास का पहिया शीर्ष से नहीं, बल्कि जमीन से घूमना शुरू होगा।

अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राशिफल

बुधवार 7 अक्टूबर, 2026

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत- 2०83 , पुष्य नक्षत्र रात्रि 11:09 तक, शिव योग प्रातः 9:51 तक, वणिज करण राशि 3:01 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरु-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह
आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 1०:09 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 11:09 से रात्रि 2:08 तक है। भद्रा दिन 3:01 से रात्रि 2:08 तक रहेगी। आज दशमी का श्राद्ध है।
श्रेष्ठ जोषादिवा - अमृत सूर्योदय से 7:52 तक, शुभ 9:20 से 1०:48 तक, चर 1:43 से 3:11 तक, लाभ अमृत 3:11 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल- 7:30 से 9:00 तक, सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:06



मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।



तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों उचित सफलता मिलेगी।



वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आज अटका हुआ धन प्राप्त होगा।



वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।



मिथुन
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।



धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में क्लिप्त्य होने का भय है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।



कर्क
आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।



मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग और सार्वजनिक समस्या का समाधान हो सकता है।



सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अगर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।



कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में शुभ संदेश प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।



कन्या
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। अगर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।



मीन
व्यावसायिक कार्यों संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सेवा, संकल्प और सुशासन के 2 5 वर्ष : विकसित भारत की ओर मोदी युग की नई यात्रा

मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने शासन को केवल सत्ता संचालन का माध्यम न मानकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनाया



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।

सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष का सतत नेतृत्व अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। 7 अक्टूबर 2०01 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जी ने शासन की बागडोर संभाली थी। आज 7 अक्टूबर 2०26 को उनके शासनाध्यक्ष के रूप में 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इन 25 वर्षों की यात्रा केवल राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि बदलते भारत की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और विकास की यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर तीन बार देश के प्रधानमंत्री बनने तक नरेंद्र मोदी जी ने भारतीय राजनीति में विकास, सुशासन, जनभागीदारी और राष्ट्र प्रथम की सोच को एक नई दिशा दी है।

मोदी जी के 25 वर्षों के सार्वजनिक नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने शासन को केवल सत्ता संचालन का माध्यम न मानकर जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प बनाया। गुजरात में उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान जल प्रबंधन, सिंचाई, बिजली, सड़क,

निवेश, औद्योगिक विकास और प्रशासनिक सुधारों पर विशेष जोर दिया गया।

वर्ष 2०14 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी विकास दृष्टि राष्ट्रीय स्तर पर सामने आई। जनधन से वित्तीय समावेशन, स्वच्छ भारत से स्वच्छता का जनआंदोलन, उज्ज्वला से महिलाओं के जीवन में सुविधा, प्रधानमंत्री आवास से गरीबों का सम्मानजनक आवास, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, जल जीवन मिशन से घर-घर नल और डिजिटल इंडिया से तकनीक को आम नागरिक तक पहुंचाने जैसे प्रयाशों ने शासन की प्राथमिकताओं को व्यापक बनाया।

वर्ष 2०14 में जब नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश की जिम्मेदारी संभाली, तब भारत के सामने गरीबी, बुनियादी सुविधाओं की कमी, वित्तीय समावेशन, कमजोर आधारभूत ढांचा, रोजगार की आवश्यकता और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका को और मजबूत करने जैसी बड़ी चुनौतियां थी। मोदी सरकार के 12 वर्षों की यात्रा

में बुनियादी ढांचे, विनिर्माण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, रेलवे, सड़क, विमानन, ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। इन 12 वर्षों में रक्षा उत्पादन लगभग चार गुना, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लगभग सात गुना और मोबाइल फोन उत्पादन लगभग 3.5 गुना बढ़ा है। यह परिवर्तन उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है जो केवल बाजार नहीं, बल्कि उत्पादन, नवाचार और आत्मनिर्भरता का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोदी युग की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत के आत्मविश्वास में आया परिवर्तन भी है। आज भारत वैश्विक मंच पर अपनी बात अधिक आत्मविश्वास से रखता है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप इंडिया और नवाचार पर जोर ने युवा भारत की आकांक्षाओं को नई ऊर्जा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण और आर्थिक विकास की तस्वीर प्रस्तुत करता है जो नैति ने भारत की विकास यात्रा को नई दिशा दी है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, सेमीकंडक्टर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टार्टअप और नवाचार तथेा अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी ने भारत की आर्थिक और तकनीकी क्षमता को नई ऊंचाई देने का आधार तैयार किया है।

भारत की विकास यात्रा में डिजिटल क्रांति शायद सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है। जनधन, आधार और मोबाइल ने वित्तीय समावेशन को नया स्वरूप दिया। अगस्त 2०26 तक प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 59 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके थे। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं तथा ग्रामीण एवं अदृश्रंरही क्षेत्रों के लोगों की है। आज गांव का सामान्य नागरिक भी डिजिटल भुगतान करता है, बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करता है और अनेक सरकारी सेवाएं अपने मोबाइल फोन से प्राप्त कर सकता है।

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का आधार उसका बुनियादी ढांचा होता है। पिछले वर्षों में सड़क, रेल, एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह, मेट्रो और आधुनिक परिहहन व्यवस्था के विस्तार ने भारत की कनेक्टिविटी को

■ **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शासनाध्यक्ष के रूप में 25 वर्ष पूर्ण करने पर में राजस्थान की जनता की ओर से हादिक शुभकामनाएं देता हूं : सीएम भजनलाल शर्मा**

नई गति दी है। देश में सड़क निर्माण, आधुनिक एक्सप्रेसवे, नए हवाई अड्डे और बंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाओं का विस्तार इस परिवर्तन की व्यापकता को दर्शाता है।

बेहतर सड़क यात्रा को आसान बनाने के साथ ही किसान को बाजार से जोड़ती है, उद्योग को कच्चा माल उपलब्ध कराती है, युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ती है और छोटे शहरों को बड़े आर्थिक केंद्रों के करीब लाती है। यह निवेश वास्तव में भविष्य के भारत में निवेश है।

विकास तभी सार्थक है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। आयुष्मान भारत, जन औषधि, स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार, चिकित्सा शिक्षा में वृद्धि, महिला सशक्तीकरण, किसान कल्याण, कौशल विकास और स्वरोजगार की योजनाओं ने विकास को मानवीय चेहरा प्रदान किया है।

भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भूमिका को भी नई प्राथमिकता मिली है। आज महिला केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, उद्यिमता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है। भारत की आधुनिकता उसकी सम्यता से अलग नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास और सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर चलने की सोच भी स्पष्ट दिखाई देती है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन के महाकाल लोक जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों का विकास यह संदेश देता है कि आधुनिक भारत अपनी जड़ों से जुड़कर ही विश्व के सामने आत्मविश्वास के साथ खड़ा हो सकता है।

पिछले वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका भी व्यापक हुई है। आर्थिक शक्ति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष, योग, जलवायु, वैक्सीन, वैश्विक दक्षिण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर भारत की आवाज पहले की

जन आंदोलन और जेन-जी : आवाज भी जरूरी, सावधानी भी



राजेन्द्र जोशी

लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों की जागरूकता, असहमति व्यक्त करने की स्वतंत्रता और जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज उठाने में निहित है। भारतीय संविधान नागरिकों को अपने विचार व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होकर अपनी बात रखने का अधिकार देता है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में अनेक ऐसे जन आंदोलन हुए हैं, जिन्होंने सरकारों और शासन व्यवस्था को जनता के सवालों पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। इन आंदोलनों में युवा शक्ति की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। आज देश में जेन-जी यानी नई पीढ़ी का युवा अपने आस्थापास की परिस्थितियों को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक तेजी से समझता है। उसके पास सूचना के अनेक माध्यम हैं, वह सवाल पूछता है, व्यवस्था से जवाब मांगता है और सामाजिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। यही लोकतंत्र की जीवंतता का संकेत है। लेकिन वर्तमान समय में जन आंदोलनों की परिस्थितियां भी बदली हैं। इसलिए जेन-जी को अपनी आवाज बुलंद करने के साथ-साथ कानूनी और संवैधानिक सीमाओं की समझ भी विकसित करनी होगी।

आंदोलन लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी अभिव्यक्ति है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर स्वतंत्र भारत के विभिन्न सामाजिक आंदोलनों तक, जनता की सामूहिक आवाज ने देश की लोकतांत्रिक यात्रा को प्रभावित किया है। लोकतंत्र में सरकारें जनता के लिए होती हैं और जनता को सरकार से सवाल पूछने का अधिकार है। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, कर्मचारी, महिलाएं, सामाजिक संगठन और युवा जब किसी जनहित के प्रश्न को लेकर अपनी बात रखते हैं, तो उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। युवा शक्ति इस प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी रही है।

पिछले एक दशक में जन आंदोलनों का स्वरूप तेजी से बदला है। सोशल मीडिया ने आंदोलन को एक नया मंच दिया है। अब किसी मुद्दे को सामने लाने के लिए केवल सड़क पर उतरना ही आवश्यक नहीं है। एक पोस्ट, वीडियो या डिजिटल अभियान कुछ ही समय में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आंदोलनों में शामिल लोगों पर कानूनी कार्रवाई, मुकदमे, प्रशासनिक कार्रवाई अथवा अन्य प्रकार के दबाव की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। अलग-अलग मामलों में इन कार्रवाइयों के कारणों और औचित्य को लेकर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिक समूहों के बीच मतभेद भी रहे हैं।

यही वह परिस्थिति है जिसमें युवा कार्यकर्ताओं को विशेष सावधानी की आवश्यकता है। आंदोलन करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन जनता के हितों और नागरिक पत्रकारिता ने भी अपनी जगह बनाई है। यह शिकायत कई सामाजिक और राजनीतिक समूहों की रही है कि उनके आंदोलनों को मुख्यधारा के मीडिया में अपेक्षित स्थान नहीं मिलता। इस स्थिति में युवाओं को केवल मीडिया कवरेज पर निर्भर रहने के बजाय तथ्यात्मक और जिम्मेदार

आज का युवा तत्काल प्रतिक्रिया देने की आदत वाले डिजिटल वातावरण में जी रहा है। किसी घटना का वीडियो सामने आते ही हजारों लोग प्रतिक्रिया देने लगते हैं। जेन-जी को यह समझना होगा कि किसी आंदोलन की ताकत केवल भीड़ की संख्या में नहीं होती। उसकी वास्तविक ताकत उसके मुद्दे की प्रासंगिकता, तथ्यात्मक आधार, शांतिपूर्ण चर्च और व्यापक सामाजिक समर्थन में होती है। इसलिए किसी भी आंदोलन से पहले कानून की जागरूकी लेना, प्रशासनिक अनुमति की आवश्यकता समझना, भाषण और सोशल मीडिया पोस्ट में कानूनी सीमाओं का ध्यान रखना तथा अफवाहों से बचना जरूरी है।

लोकतंत्र में कानून का शासन आवश्यक है। सरकार और प्रशासन के पास कानून लागू करने की जिम्मेदारी है। दूसरी ओर नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी लोकतांत्रिक शासन की उत्तनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवा कार्यकर्ताओं को इसलिए केवल सरकार से ही नहीं, बल्कि अपने आंदोलन से भी जवाबदेही की अपेक्षा रखनी चाहिए। पारदर्शिता और कानून के प्रति जागरूकता आंदोलन को मजबूत बनाती है।

जन आंदोलनों के दौर में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। किसी आंदोलन की मांग और उसके पीछे की वास्तविक समस्या समाज तक पहुंचाने का काम स्वतंत्र मीडिया कर सकता है। लेकिन आज समाजों के बीच सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और नागरिक पत्रकारिता ने भी अपनी जगह बनाई है। यह शिकायत कई सामाजिक और राजनीतिक समूहों की रही है कि उनके आंदोलनों को मुख्यधारा के मीडिया में अपेक्षित स्थान नहीं मिलता। इस स्थिति में युवाओं को केवल मीडिया कवरेज पर निर्भर रहने के बजाय तथ्यात्मक और जिम्मेदार

डिजिटल संचार का उपयोग करना चाहिए। लेकिन सोशल मीडिया की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी आती है। अतृप्त जानकारी, पुराने वीडियो को नए घटनाक्रम से जोड़ना, भ्रामक विश्वास लगाना या किसी व्यक्ति के शिर्षक बिना प्रमाण आाप लगाना आंदोलन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा सकता है।

जेन-जी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी आवाज भी उठाए और स्वयं को अनावश्यक कानूनी विवादों से भी बचाए। किसी भी बड़े आंदोलन से पहले उसकी मांगों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। आंदोलन का नेतृत्व और संगठनात्मक जिम्मेदारी तैय होनी चाहिए। कानूनी सलाह उपलब्ध होनी चाहिए। प्रदर्शन शांतिपूर्ण हो और किसी सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान न पहुंचे। युवा शक्ति को यह भी समझना होगा कि किसी आंदोलन में गिरफ्तारी या मुकदमा अपने आप में आंदोलन की सफलता या असफलता का प्रमाण नहीं है। वास्तविक सफलता तब है जब समाज उस मुद्दे को समझे, उस पर सार्वजनिक विमर्श हो और संबंधित संस्थाएं उस समस्या का समाधान तलाशें। आज के दौर में लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। विपक्ष, मीडिया, न्यायपालिका, सामाजिक संगठन और नागरिक समाज-सभी की अपनी भूमिका है। जेन-जी को अपने समय के सामाजिक प्रश्नों से दूर नहीं रहना चाहिए। बेरोजगारी, शिक्षा, पर्यावरण, महंगाई, सामाजिक न्याय, महिला सुरक्षा, तकनीक, रोजगार और नागरिक अधिकार जैसे अनेक विषय ऐसे हैं जिन पर युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

लेकिन सक्रियता और अराजकता में अंतर है। असहमति और हिंसा में अंतर है। सवाल पूछना और कानून

तोड़ना एक बात नहीं है। सरकार की आलोचना और व्यक्तिगत अपमान अलग-अलग चीजें हैं। यही अंतर युवा पीढ़ी को समझना होगा।

आज आवश्यकता ऐसी युवा शक्ति की है जो न डरकर चुप बैठे और न ही आवेश में ऐसा कदम उठाए जिससे उसकी आवाज ही कानूनी उलझनों में दब जाए। लोकतंत्र में आंदोलन का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस अधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक इस्तेमाल। जेन-जी को अपनी बात बेबाकी से रखनी चाहिए, तथ्यों के साथ रखनी चाहिए और शांतिपूर्ण ढंग से रखनी चाहिए। उन्हें संविधान, कानून और अपने नागरिक अधिकारों की जागरूकी होनी चाहिए। यदि कहीं उनके अधिकारों का उल्लंघन होता है तो संवैधानिक और न्यायिक रास्तों का इस्तेमाल करना चाहिए। आवाज उठाना लोकतंत्र की ताकत है। सवाल पूछना नागरिक का अधिकार है। असहमति लोकतांत्रिक समाज की स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में विवेक, संयम और कानूनी जागरूकता को साथ रखना आज की जेन-जी के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

लोकतंत्र में आवाजें कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होती। वे दबाई जाएं तो दूसरे रास्ते तलाशती हैं, सवालों के रूप में सामने आती हैं और नए संवाद को जन्म देती हैं। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को न तो मौन रहना है और न ही अनावश्यक टकराव में अपनी ऊर्जा खोनी है। उसे जागरूक नागरिक की तरह अपने अधिकारों का उपयोग करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करनी है।

राजेन्द्र जोशी
शिक्षाविद-साहित्यकार
लेखक सोशल एक्टिविस्ट
भी है।

अपराधियों पर आसमां से नजर रखेगी पुलिस

राजस्थान पुलिस ने तैयार किया ड्रोन रोडमैप

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। अपराध नियंत्रण निगरानी और पुलिस अभियानों में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान पुलिस ने ड्रोन तकनीक को पुलिसिंग से जोड़ने की दिशा में कदम बढ़ाया है। श्रीगंगानगर के लालगढ़ जाटान स्थित सप्तशक्ति ड्रोन ट्रेनिंग स्कूल (एसएसडीटीएस) में आयोजित तीन सप्ताह के पुलिस ड्रोन इंटीग्रेशन कोर्स का समापन हुआ। इसमें कांस्टेबल से पुलिस उपाधीक्षक स्तर तक के 17 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ड्रोन संचालन, मिशन आधारित उड़ान और दिन-रात निगरानी का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस वीके सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसिंग में ड्रोन तकनीक का प्रभावी, सुरक्षित और उद्देश्यपूर्ण इस्तेमाल सुनिश्चित करना रहा। प्रतिभागियों को तकनीकी और परिचालन दोनों पहलुओं पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन सिमुलेशन, निगरानी ड्रोन संचालन, मिशन प्लानिंग और उड़ान सुरक्षा जैसे विषय शामिल रहे।



17 पुलिसकर्मियों ने लिया विशेष प्रशिक्षण

संचालन से संबंधित नियमों, विनियमों और हवाई क्षेत्र प्रबंधन के प्रावधानों की जानकारी दी गई, ताकि निर्धारित सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। पुलिसिंग की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षणार्थियों को दिन और रात में ड्रोन निगरानी तथा मिशन आधारित ड्रोन उड़ानों का अभ्यास भी कराया गया। इन अभ्यासों के जरिए ड्रोन पायलटों की परिचालन दक्षता, परिस्थितियों को समझने की क्षमता, निर्णय क्षमता और तकनीकी

कोशल विकसित करने पर जोर दिया गया।

दो अफसरों को रिमोट पायलट प्रमाण पत्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग के दो अधिकारियों को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से जारी रिमोट पायलट प्रमाणपत्र भी एसएसडीटीएस के माध्यम से प्रदान किए गए। इससे प्रशिक्षित अधिकारियों को नियमानुसार ड्रोन संचालन में प्रमाणित दक्षता हासिल हुई।

24 ड्रोन एप्लीकेशन के लिए रोडमैप तैयार

राजस्थान पुलिस में ड्रोन तकनीक के व्यापक और व्यवस्थित इस्तेमाल की दिशा में 24 प्रस्तावित ड्रोन एप्लीकेशन के क्रियान्वयन के लिए ड्राफ्ट रोडमैप भी तैयार किया गया है। इसमें पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक के संभावित उपयोग, परिचालन आवश्यकताओं और इसके चरणबद्ध एवं व्यवस्थित क्रियान्वयन से जुड़े बिंदुओं को शामिल किया गया है। पुलिस मुख्यालय स्तर पर अनुमोदन मिलने के बाद इस ड्राफ्ट को आवश्यकतानुसार विभाग में लागू किया जाएगा। इससे राजस्थान पुलिस में ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल को व्यवस्थित, सुरक्षित, मानकीकृत और परिणामोन्मुख बनाने में मदद मिलेगी।

स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस आधुनिक तकनीक के समुचित उपयोग के माध्यम से पुलिसिंग की कार्यक्षमता और परिचालन क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रही है। ड्रोन तकनीक वर्तमान समय में निगरानी, सुरक्षा और विभिन्न पुलिस अभियानों में उपयोगी तकनीकी संसाधन के रूप में उभर रही है। उन्होंने कहा कि एसएसडीटीएस में आयोजित प्रशिक्षण पुलिस कर्मिकों को ड्रोन तकनीक की आवश्यक तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक अनुभव देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। तकनीकी आधारित और स्मार्ट पुलिसिंग के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम राजस्थान पुलिस की क्षमताओं को और मजबूत करेंगे।

फील्ड में सक्रिय रहें अफसर, जनसमस्याओं का तुरंत समाधान हो : सुनील कोठारी

महापौर ने विद्याधर नगर जोन की मैराथन समीक्षा बैठक ली



महापौर सुनील कोठारी ने मंगलवार को विद्याधर नगर जोन के अधिकारियों-कर्मचारियों की बैठक लेकर प्रशासनिक व्यवस्था, राजस्व वृद्धि, सफाई, संसाधनों और विकास कार्यों की समीक्षा की।

जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर महापौर सुनील कोठारी ने मंगलवार को विद्याधर नगर जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता योद्धाओं के साथ दो घंटे से अधिक समय तक मैराथन बैठक कर प्रशासनिक व्यवस्था, राजस्व वृद्धि, सफाई, संसाधनों और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उपमहापौर सरोज कंवर, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल, उपायुक्त (स्वास्थ्य), सतर्कता, पशु प्रबंधन सहित संबंधित वार्ड पार्षद मौजूद रहे।

महापौर ने कहा कि जयपुर नगर निगम को जनता का नगर निगम बनाया जाए और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आमजन को अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़े, इसके लिए शिकायतों का

प्रभावी एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मासिक बैठक आयोजित करने तथा दीपावली तक वार्डवार विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। पार्षदों ने हार्पर्स, प्रकाश व्यवस्था, यूडी टैक्स, सीवर लाइन, पशु प्रबंधन और अवैध अतिक्रमण से जुड़ी समस्याएं उठाईं। महापौर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर इनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। पशु प्रबंधन अधिकारियों को मंगलवार को मीट-मांस की दुकानें बंद रहना सुनिश्चित करने को कहा।

महापौर ने 7 से 16 अक्टूबर तक सेवा सेतु अभियान-2026 के सफल आयोजन और आमजन के हितों को

प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। दीपावली के महेनजर सफाई, विद्युत व्यवस्था, सड़कों के पेचवर्क और सड़कों पर पड़े सीएनडी वेस्ट को समय पर हटाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सफाई का मतलब केवल झाड़ू लगाना नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित रखना है। फुटपाथों पर कचरा नहीं रहे, पेड़-पौधों की नियमित कटाई-छंटाई हो और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के लिए स्थानों का सर्वे कर समुचित क्षमता की लाइटें लगाई जाएं। वार्डवार साप्ताहिक सफाई अभियान भी चलाया जाए। महापौर ने अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय रहकर कमियों को तत्काल दूर करने और निगम की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

रीको ने बीते 5 माह में आवंटित किए 1491 भूखंड

विकास कार्यों के लिए भी 1011 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी

जयपुर। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने और उद्यमियों को बेहतर औद्योगिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रीको द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 अप्रैल से 31 अगस्त तक रीको ने भूखंड आवंटन, राजस्व प्राप्ति, विकास कार्यों और नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।

इस अवधि में रीको ने 1491 भूखंडों का आवंटन किया, जबकि वर्ष 2025-26 की इसी अवधि में 669 भूखंड आवंटित किए गए थे। आवंटित भूमि की राशि भी पिछले वर्ष के 1477 करोड़ रुपए से बढ़कर करीब 1903

करोड़ रुपए हो गई है। 14 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में भी रीको ने तेजी दिखाई है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में पांच नए औद्योगिक क्षेत्र खोले गए थे, जबकि वर्ष 2026-27 में अगस्त तक 14 नए औद्योगिक क्षेत्र खोले जा चुके हैं।

इससे प्रदेश में उद्योगों के विस्तार के लिए नए अवसर उपलब्ध हुए हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए इस अवधि में 1,011 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में करीब 400 करोड़ रुपए के कार्यादेश जारी हुए थे। विकास

कार्यों पर व्यय भी बढ़कर 301 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष के 141 करोड़ रुपए की तुलना में दोगुने से अधिक है।

ज्ञात रहे कि रीको को 1 अप्रैल से 31 अगस्त 2026 तक 1179 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 1012 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे। रीको की प्रगति से प्रदेश में औद्योगिक आधारभूत ढांचे के विस्तार, नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और उद्यमियों को भूखंड उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी आई है। इससे आने वाले समय में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

गौशालाओं में चारा-पानी की व्यवस्था पर सरकार गंभीर

जयपुर। प्रदेश में कम बारिश के चलते अकाल जैसी परिस्थितियों को देखते हुए राज्य सरकार ने गौशालाओं में गौवर्ष के लिए पर्याप्त चारा, स्वच्छ पेयजल और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में बैठक आयोजित कर प्रदेश की गौशालाओं में चारा-पानी की स्थिति की समीक्षा की गई।

बैठक में पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मोना, गोपालन विभाग की निदेशक कश्मी कौर सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जिला स्तरीय अधिकारी एवं गौशाला संचालक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। भाले ने अधिकारियों को चारे की उपलब्धता, भंडारण, गुणवत्ता और वितरण की नियमित निगरानी के साथ पेयजल की पर्याप्त एवं स्वच्छ आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

7 अक्टूबर को प्रदेशभर में “सेवा ज्योति यात्रा” कार्यक्रम

प्रत्येक बूथ से जिला केंद्र तक पहुंचेंगे भाजपा कार्यकर्ता : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान की ओर से 7 अक्टूबर को प्रदेश के प्रत्येक जिला केंद्र पर ‘सेवा ज्योति यात्रा’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

राजधानी जयपुर में सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के मानसरोवर स्थित वीटी रोड, शिप्रापथ थाने के सामने प्रातः 9 बजे से ‘सेवा ज्योति यात्रा’ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सेवा ज्योति कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आमजन सहभागिता करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया

सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्युअल होगा उद्बोधन : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष

कि कार्यक्रम के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्युअल उद्बोधन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर जनता और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। इसके पश्चात सेवा की भावना एवं सामाजिक

जिम्मेदारी के प्रतीक के रूप में ‘मशाल’ प्रज्ज्वलित की जाएगी। राठौड़ ने कहा कि 7 अक्टूबर का दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में विशेष महत्व रखता है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

इस बार 7 अक्टूबर को उनके शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धि पूर्ण हो रही है। इस अवसर पर भाजपा राजस्थान द्वारा ‘सेवा ज्योति यात्रा’ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

सांसद सी.पी. जोशी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की द्वितीय समिति में रखा भारत का पक्ष

जयपुर/नई दिल्ली। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की द्वितीय समिति की सामान्य बहस में भारत का वक्तव्य प्रस्तुत किया। सांसद सीपी जोशी ने अपने संबोधन में विकासशील देशों की प्राथमिकताओं, समावेशी विकास, वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में सुधार तथा सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में भारत की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया।

सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि विकासशील देशों के लिए सुलभ, पर्याप्त एवं पूर्वानुमानित वित्तपोषण

सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों में विकासशील देशों का अधिक प्रभावी और न्यायसंगत प्रतिनिधित्व होना चाहिए, ताकि वैश्विक विकास की नीतियां सभी देशों की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जा सकें। सांसद सी.पी. जोशी ने डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना, वित्तीय समावेशन और धरोरू संसाधन जुटाने के क्षेत्र में भारत के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि तकनीक और नवाचार के माध्यम से व्यापक स्तर पर समावेशी विकास को गति दी जा सकती है। भारत ने डिजिटल माध्यमों के जरिए

वित्तीय सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने और विकास को अधिक सहभागी बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सांसद सी.पी. जोशी ने भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष, आईबीएसए कोष, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन तथा आपदा रोधी अवसरचना के लिए गठबंधन के माध्यम से वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भारत की विकास साझेदारी को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण साझा विकास, सहयोग और क्षमता निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में कहा कि 2030 तक निर्धारित लक्ष्यों को

हासिल करने के लिए जारी प्रयासों को गति देने के साथ-साथ इनके अधूरे कार्यों को 2030 के बाद भी आगे बढ़ाना आवश्यक होगा। इसके लिए राष्ट्रीय स्वामित्व और प्रत्येक देश की अपनी विकास प्राथमिकताओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

सांसद सी.पी. जोशी ने संयुक्त राष्ट्र के विकास स्तंभ को और मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए बहुपक्षीय सहयोग, विकासशील देशों की आवाज को उचित स्थान और समान अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है।

फर्नीचर कारोबारी बनकर छिपा कुख्यात तस्कर मंदसौर से गिरफ्तार

18 से अधिक मुकदमों में वांछित था, दो साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने अंतरराज्यीय कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन मद्देतेश के तहत एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात तस्कर विश्वनाराम को मध्यप्रदेश के मंदसौर से गिरफ्तार किया है।

राजस्थान के टॉप मोस्ट ‘नार्को-25’ तस्करों में शामिल विश्वनाराम पिछले करीब दो साल से फरार था। आरोपी ने पुलिस से बचने के लिए पहचान बदलकर मंदसौर में फर्नीचर का कारोबार शुरू कर लिया था। जोधपुर से बुलाए गए कारीगरों की गतिविधियों की निगरानी के जरिए एएनटीएफ टीम उस तक पहुंची और पिलपियामेंडी थाना क्षेत्र के उमरिया गांव में नशे की पार्टी के दौरान उसे दबोच लिया।

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार के अनुसार 32 वर्षीय विश्वनाराम



बाड़मेर के रीको थाना क्षेत्र के कुडला का निवासी है और 12वीं तक पढ़ा है। परिवार में दादा को डोडा पोस्ट का नशा करते देखकर उसने कम समय में मोटी कमाई के लिए तस्करी का रास्ता चुना। शुरुआत में खलासी के तौर पर काम करते हुए उसने नीमच और मंदसौर के बड़े तस्करों से संपर्क बनाया।

इसके बाद मध्यप्रदेश से मादक पदार्थ लाकर राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र

में ऊंचे दामों पर सप्लाई करने का नेटवर्क खड़ा कर लिया। करीब 12 साल से अपराध की दुनिया में सक्रिय विश्वनाराम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, आग्रस एक्ट, चोरी, धोखाधड़ी और मारपीट सहित 18 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं।

एएनटीएफ आईजी ने बताया कि राजस्थान में एएनटीएफ की बढ़ती कार्रवाई के बाद विश्वनाराम ने ठिकाने

बदलना शुरू कर दिया और पहचान छिपाकर मंदसौर में रहने लगा। स्थानीय स्तर पर पुलिस और खुफिया एजेंसियों से बचने के लिए उसने खुद को फर्नीचर कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया। काम के लिए उसने जोधपुर से कुछ कारीगर भी मंदसौर बुलाए। एएनटीएफ को मुखबिर से विश्वनाराम के मंदसौर में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद टीम ने जोधपुर से आए कारीगरों की गतिविधियों पर निगरानी शुरू की। उनकी ट्रैकिंग करते हुए टीम पिलपियामेंडी थाना क्षेत्र के उमरिया गांव तक पहुंची। एएनटीएफ टीम ने उमरिया गांव में दबिश दी तो विश्वनाराम अपने तस्कर साथी के रिश्तेदार के मकान में कारीगरों और अन्य सहयोगियों के साथ नशे की पार्टी कर रहा था। टीम ने तत्काल घेराबंदी कर उसे भागने का मौका नहीं दिया और मौके से ही गिरफ्तार कर लिया।

इंश्योरेंस भी, सेविंग्स भी

सपने

लक्ष्य

सुरक्षा

ज़िम्मेदारियाँ

सुरक्षा

लक्ष्य

मेरा नियमित प्रीमियम प्लान!

LIC's नव जीवन श्री

यूआईएन: 512N387V02 प्लान नं.: 912

नियमित प्रीमियम पेमेंट प्लान

लक्ष्य प्राप्ति के लिए एकल समाधान.

- देय गारंटीड अॅडिशनल्स – सारणीबद्ध वार्षिक प्रीमियम (करों के बिना) के प्रतिष्ठित के रूप में.
- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि.
- 6/8/10/12/15 वर्ष की आकर्षक प्रीमियम भुगतान अवधियाँ.
- पॉलिसी अवधि विकल्प: 10 से 20 वर्ष.

प्लान ऑनलाइन भी उपलब्ध है

(एक नॉन-पार, नॉन-लिंग्विड, जीवन, व्यक्तिगत, बचत योजना)

LIC मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

दिलीप

ग्लोबल सेंटर लिंदीन

कार्ड सेंटर सर्विस (022) 6827 6827

अधिक जानकारी के लिए, अपने बीमा एजेंट/अपनी निकटतम एलआईसी शाखा से संपर्क करें / www.licindia.in पर जाएं

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever | IRDAI Regn No.: 512

धोखेपट्टी वाले फोन कॉल्स तथा ड्रूट/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआईसीआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बीमा की घोषणा या प्रीमियम के निवेश, वार्षिक आजीवना जैसे कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संपन्नित ग्राहकों को ऐसे फोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज करें. जोड़ियन कारकों, नियमों व शर्तों की अधिक जानकारी के लिए, कृपया बिक्री के सम्पन्नित से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

हमारा बॉट्सएप नं. 8976862090

कहिए 'Hi'

LIC/RTI/2025-26/23/Min

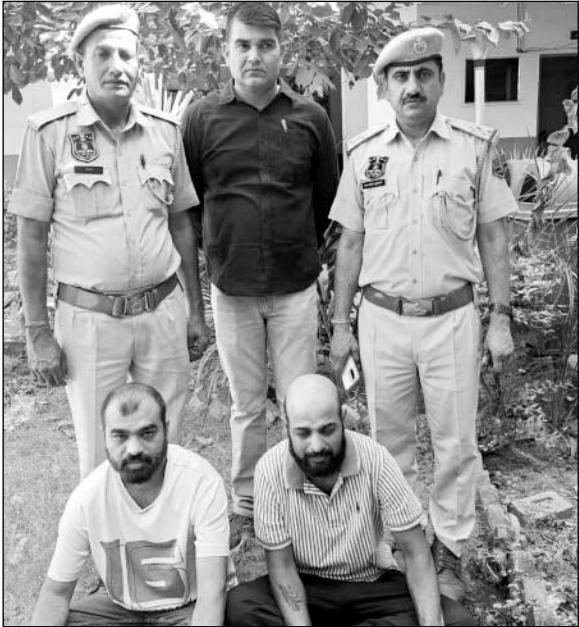
संपत्ति किराए पर लेकर फर्जी कागजात से कब्जा करने वाले दो शातिर भाई गिरफ्तार

मकानों का कब्जा खाली करने के बदले मोटी रकम मांगते थे आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-
जयपुर। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किराए पर ली गई व्यावसायिक या आवासीय संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उस पर अवैध कब्जा करने और बाद में संपत्ति खाली करने के बदले मोटी रकम मांगने वाले दो शातिर भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तैयार किए गए कूटरचित खरीद इकरारनामा और भुगतान रसीद सहित फर्जी दस्तावेज भी जब्त किए हैं। पुलिस पृष्ठताछ में आरोपियों की इसी तरीके से संपत्ति विवाद खड़ा कर रकम ठेठने की कार्यप्रणाली सामने आई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सचिन सिंह भाटी (42) और उसका भाई सुमितसिंह उर्फ खत्री (42) मूल रूप से चौपासनी हाउसिंग बोर्ड जिला जोधपुर के रहने वाले हैं। दोनों वर्तमान में वैशाली नगर विस्तार, भांकरोटा में रह रहे थे।

आरोपी सचिन सिंह के खिलाफ पानी का प्लांट लगाने के नाम पर अग्रिम राशि लेकर धोखाधड़ी करने के मामले जोधपुर, जयपुर और हिमाचल प्रदेश सहित कई स्थानों पर दर्ज हैं। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड,



व्यावसायिक-आवासीय संपत्ति के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उस पर अवैध कब्जा करने वाले 2 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा।

वैशाली नगर और चित्रकूट थानों में उसके खिलाफ धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने के मामले भी दर्ज हैं। वहीं सुमित सिंह के खिलाफ

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, देव नगर, महिला थाना जोधपुर और झोटवाड़ा थाने में एनडीपीएस एक्ट, चोरी और मारपीट सहित पांच मामले दर्ज हैं। थानाधिकारी रायसल सिंह ने

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तैयार किए गए कूटरचित खरीद इकरारनामा और भुगतान रसीद सहित फर्जी दस्तावेज भी जब्त किए हैं।**

बताया कि परिवारी सांवरमल अग्रवाल ने 5 फरवरी 2026 को न्यायालय के इस्तोफा से जरिए झोटवाड़ा थाने में मामला दर्ज कराया था कि किराएदार सचिन सिंह और उसके भाई सुमित सिंह ने मिलकर उनकी किराए की संपत्ति का फर्जी खरीद इकरारनामा और भुगतान रसीद तैयार कर ली और फैक्ट्री पर अवैध कब्जा कर लिया।

आरोपियों ने फैक्ट्री खाली करने के बदले परिवारी से मोटी रकम की मांग भी की। इस पर झोटवाड़ा थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। जहां टीम को जांच के दौरान आरोपी सचिनसिंह संपत्ति की वैध खरीद से संबंधित कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बावजूद मुकदमा दर्ज होने के बाद उसने परिवारी के खिलाफ सिविल कोर्ट में मामला दायर कर दिया और वहां फर्जी भुगतान रसीद और खरीद इकरारनामा पेश कर दिया। पुलिस ने अदालत में पेश किए गए इन दस्तावेजों

अपने ही घर से गहने चुराकर जयपुर में बेचने वाला पुलिस के हथ्थे चढ़ा

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 20 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने बरामद किए

जयपुर। जालपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तराखंड स्थित अपने ही घर से करीब 20 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर जयपुर में बेचने की फिराक में घूम रहे अठारह वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण पूरी तरह बरामद कर लिए हैं। आरोपी चोरी के जेवर बेचने के लिए जयपुर आया था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि जालपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तराखंड स्थित अपने ही घर से करीब बीस लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर जयपुर में बेचने की फिराक में घूम रहे 18 वर्षीय युवक दीपांशु राजपूत निवासी कोटद्वार कोतवाली जिला कोटद्वार (उत्तराखंड) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ करने पर आरोपित दीपांशु ने स्वीकार किया कि उसने उत्तराखंड स्थित अपने ही घर से सोने-चांदी के आभूषण चोरी किए थे। चोरी के इन जेवरों को बेचने के उद्देश्य से वह जयपुर आया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही और कब्जे से करीब बीस लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरों बरामद कर लिए।

थानाधिकारी बुजेश सिंह तंवर ने बताया कि कांस्टेबल शिवराज को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वनस्थली मार्ग स्थित रामनगर कॉलोनी में एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर



युवक को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ उसके गृह क्षेत्र के कोतवाली कोटद्वार थाने में एफआईआर पहले से दर्ज है।

जालपुरा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही बरामदगी की सूचना कोटद्वार पुलिस को दे दी है। अब उत्तराखंड पुलिस के साथ समन्वय कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सार-समाचार

जयपुर में 10 हजार नई लाइटें लगेंगे और सफाई के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटेंगे

जयपुर। (कासं)। दीपावली के मद्देनजर जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और रोशन बनाने के लिए नगर निगम जयपुर ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महापौर सुनील कोठारी ने अधिकारियों को सफाई, प्रकाश और अन्य व्यवस्थाएं मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। दीपावली के दौरान बढ़ने वाले अतिरिक्त कार्यभार को देखते हुए प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, चौराहों, सार्वजनिक एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त संसाधन लगाए जाएंगे। शहर की प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने के लिए 10 हजार नई लाइटें लगाई जाएंगी। महापौर कोठारी ने दीपावली की तैयारियों को 'स्वच्छोत्सव' से जोड़ते हुए प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई, कचरे का त्वरित उठाव और सजावट से निरकलने वाले अपरिष्ट के लिए अतिरिक्त निस्तारण के निर्देश दिए। आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रमुख बाजारों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर विशेष निगरानी रखते हुए आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त संसाधन तैनात किए जाएं। नगर निगम का लक्ष्य 'रोशनी का पर्व-स्वच्छता का उत्सव' की भावना के साथ जयपुरवासियों को स्वच्छ, सुंदर और जगमगाता शहर उपलब्ध कराना है।

किसानों को मांग के अनुरूप मिलेगा उर्वरक

जयपुर। रबी सीजन 2026-27 में किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता और जमाखोरी-कालाबाजारी पर अंकुश के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में राज्य स्तरीय फर्टिलाइजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेटरी टास्क फोर्स की बैठक हुई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं। उन्होंने डीएपी और यूरिया का पारदर्शी एवं सुचारु निरक्षण, समयबद्ध आवंटन तथा कंपनियों से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलों में स्टॉक और मांग की लगातार निगरानी कर आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने बताया कि कितरण केंद्रों पर कृषि अधिकारियों की मौजूदगी में उर्वरक वितरण कराया जा रहा है। इसके साथ ही 7.44 उर्वरक निरीक्षक जमाखोरी, कालाबाजारी, टैरिफिंग और अवैध भंडारण के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। प्रदेश में फिलहाल 3.73 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.04 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 9.5 हजार मीट्रिक टन एनपीके और 2.09 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। बैठक में डॉ. समित शर्मा, नरेश कुमार गोयल तथा इफको, कृषको, आईपीएल, सीएफएसएल, एनएफएल और एचयूआरएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गोकुलभाई भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित



जयपुर। राजस्थान के गांधी, संविधान सभा के सदस्य एवं राजस्थान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गोकुलभाई भट्ट की 41वीं पुण्यतिथि पर राजस्थान समग्र सेवा संघ परिसर स्थित उनकी समाधि पर समाजसेवियों एवं गणमान्य नगरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राजस्थान समग्र सेवा संघ एवं प्रदेश नशाबंदी समिति के संयुक्त तत्वाधान में 'नशामुक्त समाज' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। वक्ताओं ने बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक सामाजिक जागरूकता अभियान और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। संघ अध्यक्ष सवाई सिंह ने प्रशासन, सामाजिक संगठनों और आमजन के संयुक्त प्रयासों से नशामुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने शराब की दुकानों पर महिलाओं की उपस्थिति को लेकर भी चिंता जताई। संगोष्ठी में प्रेम किशन शर्मा, भागचंद्र मीणा, डॉ. इकबाल, एन. के. प्रबां, गाजिमुद्दीन, किशन सहाय, बालमुकुंद सनाढ्य, शशांक कुमावत, धर्मवीर कटेवा, रामफूल गुर्जर, संघमित्रा, सरला, कपिल सिंह सांखला, रामावतार शर्मा और रामेश्वर शर्मा सहित समाजसेवियों ने विचार रखे। संचालन बसंत हरियाणा ने किया तथा आभार गोपाल शरण ने व्यक्त किया।

“प्रभास” ब्रांड का 1869 लीटर घी सील किया

जयपुर। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने मंगलवार को मुरलीपुरा स्थित आप्पी एंजैसीज पर कार्रवाई कर 1869 लीटर प्रभास ब्रांड घी सीज किया। घी की गुणवत्ता में मिलावट की आशंका के चलते विभाग की टीम ने मौके पर उपलब्ध पूरे स्टॉक को सीज करने की कार्रवाई की। घी का निर्माण टीसीआई एग्रो फूड प्रोडक्ट्स, सोनीनथ (हरियाणा) द्वारा किया जाता है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चुटवेंदी और अभिहित अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने प्रभास ब्रांड घी का नमूना लेने के साथ प्रतिष्ठान से गोवर्धन काउ धी के नमूने भी लिए। अभिहित अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के अनुसार दोनों ब्रांड के नमूने जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिलाने के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। खाद्य प्रतिष्ठानों से लिए जा रहे नमूनों की जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

युवक की संदिग्ध मौत : दो दोस्तों पर हत्या का आरोप

जयपुर। चाकसू क्षेत्र में करीब एक महीने पहले युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में नया मोड़ आया है। परिजनों ने दो दोस्तों पर काम के बहाने युवक को बाइक से ले जाकर हत्या करने और शव तलाई के पानी में फेंकने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर चाकसू थाना पुलिस ने सोमवार को हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि कोटखावद क्षेत्र के राडोली निवासी गेंदीलाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका भाई कृष्ण हलवाई का काम करता था और कई बार बिना बताए कई दिनों के लिए घर से चला जाता था। उसके पास मोबाइल फोन नहीं होने से परिजन उससे संपर्क भी नहीं कर पाते थे। परिजनों के अनुसार 24 अगस्त को सुबह करीब 6.30 बजे कृष्ण काम के लिए घर से

निकला था। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर वह अपने परिचित गोपाल लाल और संजू बैरवा के साथ बाइक पर जाता दिखाई दिया। जानकारी करने पर पता चला कि गोपाल के मोबाइल से कृष्ण ने अपने परिचित राजेन्द्र को फोन कर एक हजार रुपए उधार मांगे थे। रात 28 अगस्त की सुबह निमोडिया स्थित तलाई के पानी में कृष्ण का शव पड़ा मिला। सूचना पर चाकसू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोय्दुरी में रखवाया। 29 अगस्त को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था। परिजनों का आरोप है कि कृष्ण के साथ गए गोपाल और संजू से पूछताछ करने पर दोनों अलग-अलग कहानियां बताते रहे और टालमटोल करते रहे। इस पर परिजनों ने दोनों पर कृष्ण की हत्या का संदेह जताया है।

जेडीए ने न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण हटाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा

हाईकोर्ट में जेडीए की ओर से कहा गया कि सोमवार को गुर्जर की थड़ी से सोडाला के बीच 700 मीटर दूरी अतिक्रमण हटाए गए हैं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से न्यू सांगानेर रोड पर सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक और स्थानीय विश्वा नगर में अतिक्रमण हटाने के आदेश की पालना में जेडीए ने शपथ पत्र पेश कर जानकारी दी। जेडीए की ओर से अधिकवक्ता अमित कुडी ने शपथ पत्र में कहा कि जेडीए ने सोमवार को गुर्जर की थड़ी से सोडाला तक की ओर कार्रवाई करते हुए रोड के दोनों ओर 700 मीटर दूरी में 100 फीट चौड़ी सड़क से अतिक्रमण हटाए हैं। अतिक्रमण की कार्रवाई के लिए जिन संपत्तियों को तोड़ने के लिए निशान लगाए थे, वहां जेडीए को स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। जिसके चलते कार्रवाई में समय लगा। जेडीए ने पूरी रोड से अतिक्रमण हटाने के लिए अदालत से चार सप्ताह का समय

मांगा है। जेडीए ने कहा कि इस रोड पर 9 स्कीम नगर निगम की हैं और इनमें प्रभावितों की ओर से 100 आपत्तियां दर्ज कराई हैं। जेडीए ने इन आपत्तियों को नगर निगम के पास परीक्षण के लिए भेजा है। इसके साथ ही जेडीए ने मामले में मदनलाल कुमावत के पक्षकार बनने की अर्जी पर जवाब दिया है। जेडीए ने कहा कि उसके पास सोसायटी का पट्टा है और ऐसे में उसे मामले में पक्षकार बनने का कोई अधिकार नहीं है। मामले से जुड़े अधिकवक्ता गीतेश जोशी ने बताया कि मास्टर प्लान में सोडाला से गुर्जर की थड़ी तक की सड़क की चौड़ाई 100 फीट है और विश्वा नगर में रोड तीस फीट चौड़ी है। अतिक्रमण व अवैध पार्किंग के चलते यहां सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है।

ज्वैलर की आंखों में मिर्च गहने लूटने वाले गिरफ्तार

जयपुर। जामडोली थाना पुलिस ने ज्वैलरी कारोबारी की आंखों में सूखी लाल मिर्च डालकर चांदी के आभूषणों से भरा बैग लूटने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए चांदी के जेवर और वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद की है। तीसरे आरोपी की तलाश जारी है। डीसीपी जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा के अनुसार जामडोली निवासी ज्वैलर आकाश खंडेलवाल ने 2 अक्टूबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 अक्टूबर की रात करीब 8 से 8.30 बजे दुकान बंद कर स्कूटी से घर लौटते समय जामडोली फोर्ट के पास बिना नंबर बाइक सवार तीन युवकों ने उनकी

आंखों में सूखी लाल मिर्च डाल दी और चांदी के आभूषणों से भरा हैंडबैग लूटकर फरार हो गए। जिस पर गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी सहायता से आरोपियों की पहचान की। पुलिस ने राहुल गुर्जर (19), निवासी आतेला, भावरू और अंकित सैनी उर्फ गोलू उर्फ जंगली (19), निवासी देवती बांध, अलवर, हाल जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 6 जोड़ी चांदी की चरकी और 2 जोड़ी चांदी की पायले बरामद हुईं। वारदात में प्रयुक्त स्प्लेंडर प्लस बाइक भी जब्त की गई। जांच में सामने आया कि बाइक प्रताप नगर थाने में दर्ज मुकदमे में चोरी की वांछित थी।

- आरोपी ने दर्ज मुकदमे में मदद करने और आरोपी की गिरफ्तारी के बदले मांगी थी घूस**

ई-रिक्शा और ऑटो के लिए तय होंगे रूट

भीड़ नियंत्रण के लिए ई-रिक्शा और ऑटो के लिए निर्धारित मार्ग एवं क्षेत्र तय किए जाएंगे। यात्रियों के उत्तरने और चढ़ने के लिए प्रवेश एवं निकास द्वारों पर अलग-अलग उतारने-चढ़ाने के स्थान निर्धारित किए जाएंगे। बाजारों में अतिरिक्त होमगार्ड तैनात करने तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी बढ़ाने की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। व्यापारियों ने बाजारों की सुरक्षा को लेकर विभिन्न सुझाव दिए, जिन पर अधिकारियों ने आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रशासन एवं यातायात प्रदीप मोहन शर्मा, पुलिस उपायुक्त यातायात प्रवीण नायक मुनावत, पर्यटन विभाग और नगर निगम सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा जयपुर व्यापार महासंघ के सुभाष गोयल, सुरेश सैनी, हरीश केडिया, सुरेंद्र बज सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

वन-वे और भारी वाहनों पर रोक

प्रमुख बाजारों में यातायात दबाव कम करने के लिए जरूरत के अनुसार एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू की जाएगी। व्यस्त समय में भारी एवं मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। बाजारों के

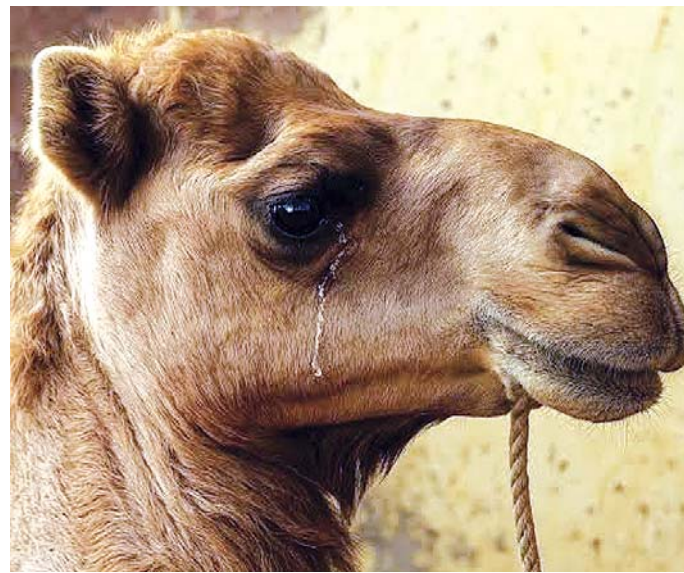
आसपास उपलब्ध मैदानों में अस्थायी पार्किंग स्थल विकसित किए जाएंगे। अवैध पार्किंग रोकने के लिए नियमित रूप से टोइंग क्रैन तैनात की जाएंगी। सड़कों और फुटपाथों से अस्थायी अतिक्रमण हटाने के लिए

नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीमें अभियान चलाएंगी। दुकानों के बाहर सामान फैलाकर यातायात बाधित करने पर भी रोक लगाई जाएगी। इस संबंध में व्यापारियों से भी सहमति ली गई है।

#WONDERS

Could Camel Tears Inspire the Next Generation of Antivenoms?

Camel nanobodies remain stable under high temperatures and are easier to engineer in the laboratory



Every year, snakebites claim more than 100,000 lives worldwide, particularly in tropical and developing countries where access to timely medical care and antivenom is limited. Scientists around the world are therefore searching for safer, more effective, and more accessible treatments. One of the most intriguing avenues of research involves an unlikely source, the camel.

Camels have evolved over millions of years to survive some of the harshest environments on Earth. Living across the deserts of Arabia and Africa, they have developed remarkable biological adaptations, including a unique immune system. Unlike the antibodies found in most mammals, camels produce exceptionally small antibodies, often referred to as nanobodies, which are highly stable and capable of binding tightly to a wide variety of targets.

Researchers have also identified several bioactive proteins in camels, including lactoferrin, a protein known for its antimicrobial, anti-inflammatory, and immune-regulating properties. Camel lactoferrin has attracted considerable scientific interest because it differs structurally from its counterparts in other mammals and has shown promising biological activity in laboratory studies.

Recent research has explored whether camel-derived antibodies and pro-

teins, including those present in body fluids such as blood and tears, could one day contribute to the development of improved antivenoms. Laboratory studies suggest that camel nanobodies can bind to certain venom toxins, potentially preventing them from damaging nerves, blood vessels, or tissues. These findings are encouraging, but they remain at an experimental stage and require further peer-reviewed validation before they can be translated into clinical treatments.

One of the major advantages of camel-derived antibodies is their remarkable stability. Conventional antivenoms often require continuous refrigeration and are usually designed to treat the venom of specific snake species. Camel nanobodies, by contrast, remain stable under high temperatures and are easier to engineer in the laboratory. These characteristics make them attractive candidates for developing future broad-spectrum antivenoms, particularly for remote regions where maintaining a cold chain is difficult.

Pharmaceutical researchers are now investigating ways to synthesize camel-derived proteins and antibodies using modern biotechnology. Rather than relying directly on camel tears or other body fluids, the goal is to reproduce these protective molecules in the laboratory, allowing them to be manufactured safely and consistently on a large scale.



• Kshema Jatuhkarna

Few sweets are as closely associated with Bengal as sandesh. Soft, delicate, and subtly sweet, it has become one of the defining symbols of Bengali cuisine. Yet, the story of sandesh begins not only in Bengal, but also with



the arrival of Portuguese sailors on the Indian coast and an unexpected exchange of culinary traditions.

The Portuguese Arrive in India

In 1498, the Portuguese explorer Vasco da Gama landed at Calicut (present-day Kozhikode, Kerala), opening a direct sea route between Europe and India. This voyage

The Story Of Bengali Chhena And Sandesh



transformed global trade and marked the beginning of sustained Portuguese influence on the Indian subcontinent.

Over the following decades, Portuguese merchants established trading settlements along India's coastline. Important commercial centers emerged at Chittagong and Satgaon in Bengal, while Portuguese influence steadily expanded along both the western and eastern coasts.

During the reign of the Mughal emperor Akbar, the Portuguese established a permanent settlement at Hooghly (Hugli) in Bengal. Nearby Bandel became one of their most important colonial communities, serving as a center of trade, missionary activity, and cultural exchange.

More Than Traders

The Portuguese did not merely bring spices back to Europe, they also introduced new foods to India.

Among the crops that became integral to Indian cuisine were the potato, chili pepper, and tomato, all originally native to the Americas. Today, it is difficult to imagine Indian cooking without fiery chilies or potato-based dishes, yet these ingredients arrived through Portuguese maritime trade.

They also brought European culinary traditions, especially the



N.A. Bulganin, Prime Minister of the USSR, and (right) N.S. Khrushchev, Member, Presidium of the Supreme Soviet, in New Delhi, on December 14, 1955.

arts of baking and cheesemaking. Portuguese bakers prepared breads, cakes, pastries, and cheeses unlike anything commonly found in India at the time.

The Discovery of Chhena

Traditional Indian dairy practices generally avoided curdling milk with acidic agents such as lime or vinegar. Milk was transformed into yogurt, khoa, butter, or ghee, but not into fresh cheese. Deliberately curdling milk was considered culturally inauspicious or bad luck in traditional Hindu households.

The Portuguese, however, routinely made cheese by adding an acid to hot milk. In Bandel, they curdled milk with lime juice or another acidic ingredient. The milk separated into solid curds and liquid whey. The curds were then strained through cloth to produce a fresh, crumbly cheese.

The Portuguese prepared a lightly salted version that came to be known as Bandel cheese, one of the oldest surviving cheeses in India and still produced today.

The fresh curds themselves

#DELICACIES



form. They flavoured it with cardamom, saffron, rosewater, pista-chios, dates, mango, nolen gur (date palm jaggery), and countless regional ingredients. Intricate molds gave the sweets elegant shapes, making sandesh not only a dessert but also an expression of Bengali craftsmanship.

A Legacy of Cultural Exchange

The sandesh and its many variants can make you swoon with delight. In fact, noted food historian Colleen Taylor Sen rightly calls sandesh the 'Emblem of Bengaliness,' and in many ways, it indeed is.

Not only does the sandesh pack in quite a punch in terms of taste, it also reflects the story of Bengali renaissance through European influences. Since Bengal was a major trading hub with European powers since medieval times, it should come as no surprise that Bengali cuisine was among the earliest to be influenced by the Europeans. And the sandesh is a great example of the mix.

It was only a matter of time before this adaptation became ubiquitous to Bengal. The Bengali ren-

aissance of the mid-19th century, along with the emergence of a growing and wealthy urban middle class in Kolkata, led to a 'golden age' for Bengali sweets and sandesh.

The story of chhena illustrates how culinary traditions evolve through encounters between cultures. Sweets shops like Bhim Nag, K.C. Das, Dwarik Ghosh and Ganguram grew around the city and became legendary institutions. The sweet shops vied with each other to make the most extravagant sandesh and the patrons indulged in 'conspicuous consumption'!

Today, sandesh is celebrated as one of Bengal's greatest culinary achievements. In its heyday, almost every sweet shop sold 100-150 variety of sandesh, and over time, sandesh started becoming more and more extravagant. Chocolates, apples, ice-cream and multi-shaped sandesh varieties were made. Imagine a sandesh toast, sandwich, cake, chops and even biscuits!

Savvy marketers often took poetic license and gave these sweetmeats catchy names, Desh gorob (glory of the nation), Manoranjan (heart's delight), Monohara (captivator of the heart), Pranahara (captivator of the soul), Abak (wonder), Noyantara (star of the eye), Bagh (tiger), and Abar Khabo (I'll have another) were just some of them! So ingenious were the names, and such



a fad that a sandesh was actually named after Lord Ripon, Viceroy of India from 1880 to 1884. The tradition continued, and even in the 1960s, a sandesh called 'Bulganiner Bishmoy' (Bulganin's wonder) was made in honour of the visiting Soviet premier!

Did You Know

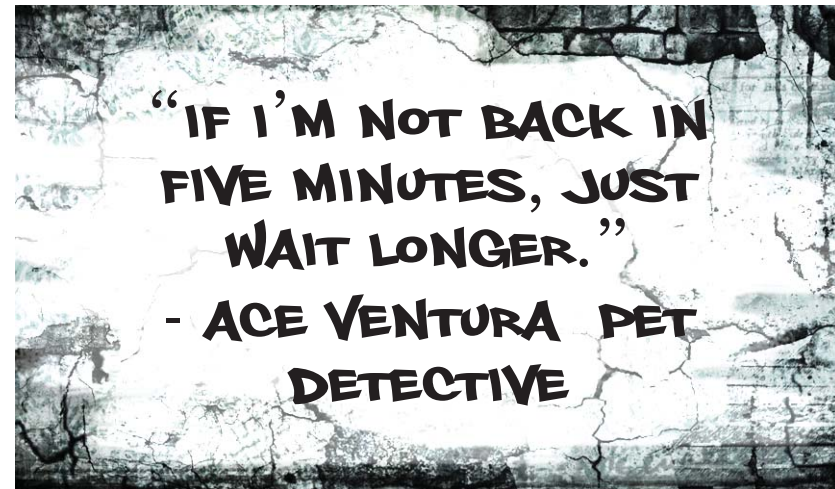
There is a story of how a barrister

ordered sandesh made in the shape of the Gothic building of Kolkata high court for his wedding! What began as a foreign method of making cheese became the foundation of one of India's most beloved sweets, proving that some of the finest culinary traditions are born not from isolation, but from the meeting of cultures.

rajeshsharma1049@gmail.com



THE WALL

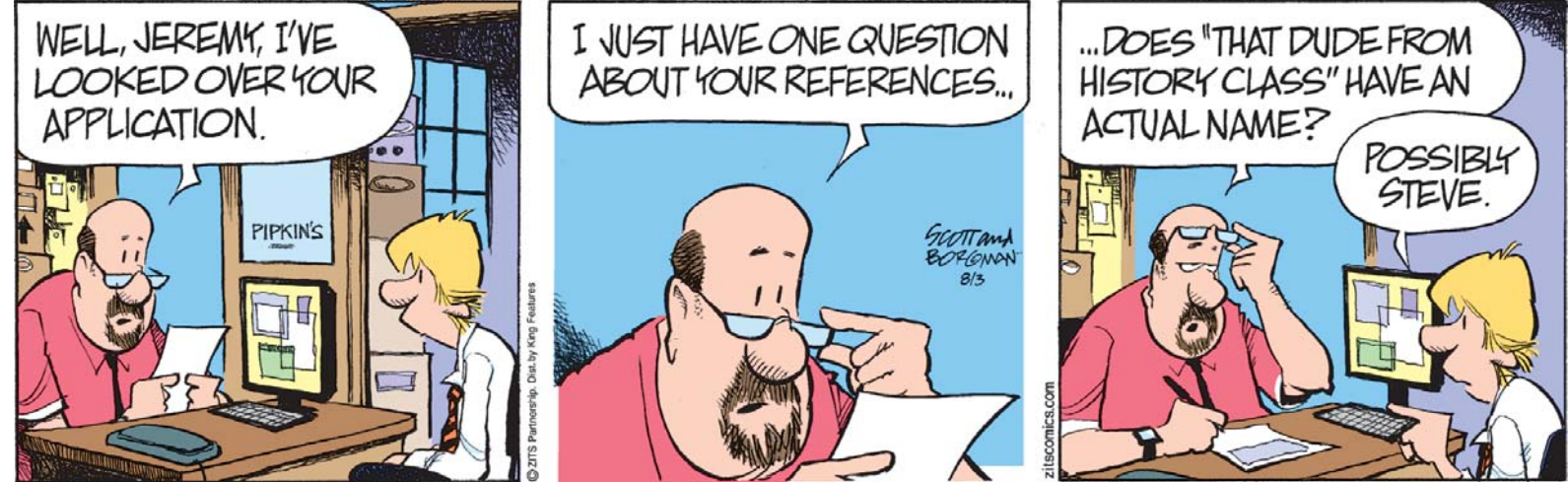


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman



एक सौ मेधावी

छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित

टोंक। मंगलवार को स्थानीय राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय न्यू टोंक में केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड-नई दिल्ली द्वारा सीएसआर इनिशिएटिव क्रिएटिंग ए फाउंडेशन ऑफ अपलिफ्टमेंट के तहत 100 होनहार बालिकाओं को साइकिलें वितरित की गई। प्रधानाचार्य विनोद शर्मा ने बताया कि टोंक शहर के चार युसीईओ सिटी नम्बर 12, दरबार, कोठी नातमाम और न्यू टोंक में अध्यक्षनरत 25- 25 मेधावी छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। इन छात्राओं ने कक्षा-10 की परीक्षा सरकारी विद्यालयों से उत्तीर्ण की है एवं वर्तमान सत्र 2026- 27 में कक्षा-11 में अध्ययनरत हैं। वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेश शर्मा अभिषेक शर्मा, अध्यक्ष मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, विशिष्ट अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमन्त कुमार दीक्षित, प्रधानाचार्य निपुण सक्सेना, रामदयाल जांगिड़, किसान लाल कुम्हार और राजेश पारीक रहे।

कोटपूतली में विधालयों के कायाकल्प के लिए 78 लाख की राशि स्वीकृत

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल के अथक प्रयासों के फलस्वरूप क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों की सूरत बदलने जा रही है। राज्य सरकार द्वारा विधायक हंसराज पटेल की अनुषंघा पर क्षेत्र के राजकीय विद्यालयों में मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण (मजबूतीकरण) कार्यों के लिए 78 लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है।

समग्र शिक्षा अभियान राजस्थान की निदेशक एवं स्कूली शिक्षा आयुक्त डॉ. रंभिम शर्मा द्वारा उक्त वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। विधायक हंसराज पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह राशि स्कूलों के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को बेहद मजबूत बनायेगा और विद्यार्थियों के लिए आधुनिक व सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण तैयार करने में मील का

लालसोट में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन कल

लालसोट। पंचायत राज चुनाव को लेकर कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को तेज करते हुए 8 अक्टूबर को लालसोट में बड़ा कार्यक्रम सम्मेलन बुलाया है। पूर्व चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा एवं ब्लॉक अध्यक्ष दीपक प्रोहित के नेतृत्व में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में लालसोट व शिवसिंहपुरा पंचायत समिति क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटेंगे। बैठक लालसोट पैलेस, जमात चौराहा पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगी। इसमें आगामी पंचायत राज चुनाव को लेकर संगठन को बृ्ध स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और चुनावी तैयारियों को लेकर गहन मंथन किया जाएगा।

बैठक को पंचायत राज चुनाव से पहले कांग्रेस के शक्ति प्रदर्शन और रणनीतिक लामबंदी के तौर पर देखा जा रहा है। लंबे समय बाद एक मंच पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को जुटाकर पार्टी चुनावी जमीन मजबूत करने की तैयारी में है। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया है। बैठक में होने वाला मंथन आगामी पंचायत चुनाव में कांग्रेस की दिशा और रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

महाविद्यालय भवन की मरम्मत में 6.20 लाख रुपये का भुगतान होने के बाद भी अटका काम

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय के भवन की मरम्मत को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक गतिरोध सामने आया है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड को लाखों रुपये का अग्रिम भुगतान किए जाने के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है। इस लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाने हुए प्राचार्य ने विपणन बोर्ड के अधिशाषी अभियन्ता को स्मरण पत्र जारी कर काम तुरंत शुरू करने की मांग की है। पत्र के अनुसार कॉलेज भवन के छज्जे और प्लास्टर की मरम्मत करवाई जानी है।

इस कार्य के लिए तय की गई तकमीना राशि 06 लाख 20 हजार रुपये का भुगतान करवा दो महीने पहले ही किया जा चुका है। महाविद्यालय प्रशासन ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोटपूतली का बैंक संख्या 462310, 18 अगस्त को ही राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, खण्ड जयपुर (प्रथम)

निकाय चुनाव की सफलता पंचायत चुनाव में भी दोहराएंगे : बेढ़म

डींग, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी ने पंचायत राज चुनावों को लेकर मंगलवार को डींग की खंडेलवाल धर्मशाला में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर चुनावी तैयारियों का आगाज किया। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के मुख्य आतिथ्य और विधायक डॉ. शैलेश सिंह की अध्यक्षता में हुए सम्मेलन में पंचायत समिति डींग के पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य पदों पर भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ने के इच्छुक दावेदारों से आवेदन मांगे गए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनावों में मिली सफलता की तरह



गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म व विधायक डॉ. शैलेश सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ।

पंचायत राज चुनावों में भी भाजपा मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी और उल्लेखनीय जीत हासिल करेगी। पार्टी पंचायत चुनावों में निष्ठावान, जिताऊ

और टिकाऊ कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देते हुए टिकट देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

अतिरिक्त केन्द्रीय सचिव से सांभर के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की

सांभरझील, (निसं)। नंदीकेश्वर मेला कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप व्यास के नेतृत्व में पालिकध्यक्ष पवन कुमार मोदी संग भाजपा शिव प्रसाद यादव ने संयुक्त मुलाकात कर भारी उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव हनीफ कुरेशी नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में एक विशेष मुलाकात कर सांभर के हितार्थ उन खास मुद्दों पर चर्चा की जो विगत कई दशकों सकारात्मक निर्णय के इंतजार में क्षेत्र की जनता उम्मीद लगाए बैठे हैं।

बताया गया कि हिंदुस्तान सांभर साल्ट के उपक्रम सांभर साल्ट्स लिमिटेड से जुड़े अनेक ऐसे महत्वपूर्ण का कहना है कि विधायक हंसराज पटेल ने यह साबित कर दिया है कि कोटपूतली के हर बच्चे को उच्च स्तर की शिक्षा और सुविधाएं दिलाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पंचायतीराज चुनाव के मद्देनजर लाइसेंसी शस्त्र जमा कराने के निर्देश

कोटपूतली। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 को शांतिपूर्वक, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने तथा जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट अर्पणा गुप्ता ने जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में अधिवासित/विद्यमान वैध आर्म्स लाइसेंसधारकों के संबंध में आवश्यक आदेश जारी किए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग के जारी सूचना एवं दिनांक 03 अक्टूबर तथा माननीय उच्च न्यायालय मुंबई द्वारा क्रिमिनल रिट पीटिशन संख्या 835/09 में दिनांक 10 जुलाई को पारित निर्णय के अनुसरण में निर्धारित श्रेणी के आर्म्स लाइसेंसधारकों को अपने शस्त्र एवं एम्पूनिशन तत्काल प्रभाव से सुरक्षित अभिरक्षा (सेफ कस्टडी) में जमा कराने होंगे।

आदेश के अनुसार ऐसे आर्म्स लाइसेंसधारक जो जेल से जमानत पर रिहा हुए हैं, जिनकी आपराधिक पृष्ठभूमि रही है, गत चुनावों अथवा अन्य अवसरों पर कानून एवं व्यवस्था प्रभावित करने वाली हिंसक घटनाओं/दंगाओं में लिप्त रहे हैं, जिनके विरुद्ध आपराधिक मामले में दोषसिद्धि

मतगणना समाप्ति के 7 दिवस पश्चात ही शस्त्र लौटाए जाएंगे, निर्धारित श्रेणी के लाइसेंसधारकों को तत्काल प्रभाव से शस्त्र जमा कराने होंगे

हुई है अथवा जिन्हें शांतिभंग के मामलों में पाबंद किया गया है, उन्हें अपने शस्त्र जमा कराने होंगे। इसी प्रकार उप जिला मजिस्ट्रेट, उप पुलिस अधीक्षक, सेक्टर अधिकारी, तहसीलदार अथवा थानाधिकारी द्वारा निर्वाचन के संदर्भ में किसी मतदाता अथवा मतदाताओं के समूह को भयग्रस्त कर निर्भय एवं निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने की आशंका के संबंध में चिन्हित किए गए आर्म्स लाइसेंसधारकों पर भी यह आदेश लागू होगा।

इसके अतिरिक्त संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील श्रेणी के मतदान केन्द्रों अर्थात् एस-04 श्रेणी के मतदान केन्द्रों के अधीन निवास करने वाले आर्म्स लाइसेंसधारकों को भी अपने शस्त्र जमा कराने होंगे। इनमें गत

भिवाड़ी में अवैध यूरिया से भरा मिनी ट्रक पकड़ा

भिवाड़ी। पुलिस थाना भिवाड़ी फेज तृतीय द्वारा अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे संदिग्ध नीम कोटेड यूरिया से भरे मिनी ट्रक को पकड़े जाने की सूचना पर कृषि विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। वाहन में बिना मार्का के संदिग्ध नीम कोटेड यूरिया के 300 बैग, कुल 13.18 मीट्रिक टन मात्रा में पाए गए।

सूचना प्राप्त होने पर सहायक निदेशक कृषि किशनगढ़बास विश्राम मीणा, कृषि अधिकारी अंकित कुमार एवं किष्णु चौधरी, उर्वरक निरीक्षक तथा कृषि अधिकारी पूर्ण यादव, कार्यालय संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, जिला परिषद खैरथल-तिजारा मौके पर पहुंचे। कृषि विभाग की टीम द्वारा वाहन एवं उसमें भरे उर्वरक की जांच की गई।

मौके पर थानाधिकारी से वाहन चालक, वाहन मालिक एवं उर्वरक से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी मांगी गई। थानाधिकारी द्वारा बताया गया कि वाहन चालक मौके से फरार हो गया है तथा माल से संबंधित कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं है।

किशनगढ़ बास में 15 किलो मसाला नष्ट कराया

किशनगढ़ बास। सीएम पोर्टल पर शिकायत के बाद मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने किशनगढ़बास कस्बे में चार प्रतिष्ठित मिष्ठान भंडार और एक परचूनी की

- 4 प्रतिष्ठित मिष्ठान भंडार पर एक साथ कार्रवाई, जांच के लिए सैपल लेकर भेजें प्रयोगशाला
- 45 किलो मिर्च पाउडर जब्त

दुकान पर सैपल की कार्रवाई की। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट के निर्देश पर नोडल अधिकारी हेमंत कुमार यादव के नेतृत्व में की गई।

- आज डींग में विशाल ‘सेवा ज्योति यात्रा’ निकलेगी
- पंचायत चुनाव में निष्ठावान, जिताऊ और टिकाऊ कार्यकर्ताओं को मिलेगा टिकट - बेढ़म

विधायक डॉ. शैलेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 7 अक्टूबर को डींग जिला मुख्यालय पर सुबह 9 बजे नेहरू पार्क से विशाल ‘सेवा ज्योति यात्रा’ निकाली जाएगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आह्वान किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश बंसल ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पंचायत चुनाव की तैयारियों में पूरी मजबूती से जुटने का आह्वान किया। सम्मेलन में नगर परिषद सभापति अर्पित गुप्ता, डींग जिला संगठन प्रभारी शिवकुमार सैनी, जिला पंचायत चुनाव प्रभारी व सह प्रभारी लोकेश शर्मा, डींग ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राकेश गिरसै, शहर मंडल अध्यक्ष ललित तिवारी, जिला अभाव आयोग सतर्कता समिति के सदस्य लखपत गुर्जर, जिला प्रवक्ता भावना गांधी सहित पंचायत समिति विार्डवार संयोजक, वार्ड प्रभारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में आवेदनकर्ता मौजूद रहे।



किशनगढ़ बास में परचून की दुकान पर कार्रवाई करती टीम।

किशनगढ़ बास में टीम ने लक्ष्मी मिष्ठान भंडार से कलाकंद, अग्रवाल मिष्ठान भंडार से बर्फा, गुप्ता स्वीट्स एंड नमकीन से बर्फा तथा मितल मिष्ठान भंडार से रसगुल्ला का नमूना लिया। सभी 4 नमूनों को जांच के लिए लैब भेजा गया है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत मिली थी अलवर रोड स्थित दिलीप किराना स्टोर की। यहां टीम ने ‘सखी मसाले’ के मिर्च पाउडर का सैपल लिया और करीब 45 किलो मिर्च पाउडर के पाउच जब्त किए।

पानी की समस्या को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

किशनगढ़बास। शहर की जनता ने अपने 25 वार्डों के लिए अपना वार्ड सेवक चुन लिया है और सभी ने विकास के संकल्प के साथ चुनाव विज्ञा और ईमनदारी की शपथ भी ले ली है। अब बारी है तो कसीटी पर खरा उतरने की। इस बीच शहर में दो तरह की तस्वीरें सामने आ रही हैं जो नए पार्षदों के लिए बड़ा संदेश है।

एक तरफ ये चेहरे हैं जिन्होंने सेवा के दम पर हैट्टिक लगाई है, तो दूसरी तरफ एक नया चेहरा है जिसने शपथ लेते ही स्वागत सत्कार को बीच में छोड़कर जनता की प्यास बुझाने की लड़ाई शुरू कर दी है। इस चुनाव में कुछ वार्ड में वास्तविक में जनता ने स्पष्ट रूप से काम को वोट दिया है। वार्ड के लोगों की पसंद बने उमेश यादव और कंचन मनीष लखयाणी ने तीसरी बार जीत दर्ज कर साबित कर दिया कि सेवा ही सबसे बड़ा चुनावी मंत्र है। वहीं शिवहरि गुर्जर, हेमैंद्र चौधरी, सुनील सांवरिया, अनिल शर्मा जैसे पार्षद दूसरी बार चुनकर पालिका पहुंचे हैं।

चुनाव के दौरान अन्य वार्डों में भी लोग ईमान की मिसाल देकर कहते थे – ”काम किया है तो जीत पक्की है।” नगर पालिका में नए चुनकर पहुंचेनए पार्षदों के लिए ये अनुभवी पार्षद वास्तव में मार्गदर्शक हैं। इसी कड़ी में वार्ड 9 के

- मुकेश सैनी ने खाती पाड़ा, कुम्हार पाड़ा और नया कुआं इलाके में नलों में पानी नहीं आने की शिकायत को लेकर एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव को लिखित पत्र सौंपा

नवनिर्वाचित पार्षद मुकेश सैनी ने एक नई मिसाल पेश की है। जहां कई नए पार्षद अभी भी जीत के जश्न, माला और स्वागत में व्यस्त हैं, वहीं सैनी ने जिम्मेदारी को असली शपथ ली है। उन्होंने अपने वार्ड के खाती पाड़ा, कुम्हार पाड़ा और नया कुआं इलाके में नलों में पानी नहीं आने की शिकायत को लेकर एसडीएम सत्यवीर सिंह यादव को लिखित पत्र सौंपा। सैनी ने आरोप लगाया कि वार्ड के लोग जलदाय विभाग को कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। मुकेश सैनी की इस पहल ने साफ कर दिया है कि जनता ने उन्हें फूल-मालाओं के लिए नहीं, बल्कि नल में पानी और गली में सफाई के लिए चुना है।

सार-समाचार

पावटा के रामलीला मैदान में अहिल्या उद्धार व ताड़का वध का मंचन



पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला के चौथे दिन सोमवार की रात विश्वामित्र का अयोध्या आगमन, अहिल्या उद्धार और ताड़का वध की लीला हुई। लीला का आरंभ विश्वामित्र द्वारा किए जा रहे यज्ञ को राक्षसों द्वारा विघ्नश के बाद मुनि विश्वामित्र का अयोध्या आगमन से हुआ। इस मौके पर श्री राम के किरदार में लक्की भारद्वाज, लक्ष्मण शुभम शर्मा, विश्वामित्र रामशरण बोहरा, दशरथ महेश पारीक, ताड़का सोनू अग्रवाल, वशिष्ठ सांवर मल बोहरा, मारीच सुबाहु नरेंद्र गौड़, दीपक पटेल, अहिल्या शंकर गुरुजी नजर आए। इस दौरान इस दौरान मंडल संरक्षक महेश पारीक, उमेश टांक, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत गौड़, शंकर शर्मा, एडवोकेट विष्णु पटेल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, डायरेक्टर मोहन गौड़, उपाध्यक्ष दीपक पटेल, सांवर मल बोहरा, रामशरण बोहरा, नरेंद्र गौड़, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, सुनील गौड़, दीपक भारद्वाज, लक्की भारद्वाज, शुभम शर्मा, मुकेश सोनी, पंकज सैन, बिहारी सोनी, गुड्ड गुप्ता, सुभाष टीलावत, शिवम जोशी, अरविंद जांगिड़, अमित बटवाल, आशीष शर्मा, प्रदीप टांक, लोकेश टांक, जीतू कुमावत, गिरिराज, लक्ष्मीकांत शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राघव टीलावत, केशव, लक्ष्य, धर्मेन्द्र , अमित बटवाल सहित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सांभर के खिलाड़ियों ने नायाब प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाई



सांभरझील। खंड स्तरीय आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का नायाब प्रदर्शन किया बल्कि ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम एवं किशोरी मेले में जिला स्तर पर अपना नाम भी दर्ज करवा लिया। प्रतियोगिता में पीएम श्री दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सांभर के छात्र मनन नोगिया व राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नौरंगपुरा की छात्रा प्रियंका चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विद्यार्थियों का जिला स्तर के लिए चयन होने पर क्षेत्र के लोगों ने खिलाड़ियों को शुभ कामनाएं दीं। आशु प्रतियोगिता, समूह चर्चा, जीवत नाटकों का प्रदर्शन सहित अनेक प्रतियोगिताएं रोचक रही। सांभर लेक की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की कुमकुम सैनी एवं हंसिका सैनी ने विज्ञान, पर्यावरण संबंधी मॉडल प्रस्तुत कर ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जिला स्तरीय किशोरी मेले के लिए भी चयनित हुईं। इस अवसर पर दरबार स्कूल के प्रिंसिपल टीकमचंद सैनी, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गिरांज प्रसाद मीना, आरपी हेमंत कुमावत, लविका छिपा, दिनेश यादव, प्रतिभा सैनी, शुभेंद्र शर्मा, रायसिंह, दुलीचंद आदि शिक्षक उपस्थित रहे ।

शायर गौहर रज़ा जुगमंदिर तायल स्मृति सम्मान से होंगे सम्मानित



अलवर। प्रोफेसर जुगमंदिर तायल की स्मृति में प्रति वर्ष दिये जाने वाला सम्मान प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं शायर गौहर रज़ा को दिया जायेगा। उनका चयन साहित्यकारा जीवन सिंह मानवी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने सर्वसहमति से किया है। चयन समिति में पूर्व प्राचार्य नीलाभ पंडित, डॉ महेंद्र गुप्ता, प्रोफेसर भरत मीना एवं बालिका शिक्षा अभियान से जुड़े नूर मोहम्मद बतौर सदस्य शामिल रहे हैं। चयन समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह मानवी ने बताया कि प्रागतिशील साहित्यकार, शिक्षक एवं सांप्रदायिक सद्भावना के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता प्रोफेसर जुगमंदिर तायल की स्मृति में इस सम्मान की शुरुआत विगत वर्ष 2025 से की गई है, जिसमें 2024 का पहला स्मृति सम्मान प्रोफेसर मोहन श्रोत्रिय को प्रदान किया गया था। यह सम्मान ऐसे व्यक्ति को प्रदान किया जाता है जिसका समाज, संस्कृति, साहित्य, लेखन, शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में संवैधानिक आदर्शों, मानवीय मूल्यों एवं वैज्ञानिक-तार्किक दृष्टि को स्थापित करने या प्रचार करने में विशिष्ट योगदान रहा हो। इस दिशा में वैज्ञानिक एवं शायर गौहर रज़ा का उल्लेखनीय योगदान रहा है। इसलिए वर्ष 2025 के जुगमंदिर तायल स्मृति सम्मान के लिए उनका चयन किया गया है। सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपए, शॉल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कोटपूतली। यहां के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में मंगलवार को कृषि विभाग द्वारा नए सेवा योजना कार्यक्रम के तहत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय पर्यावरण संरक्षण विकास और विनाश के बीच मानवता की परीक्षा रखा गया था, जिसमें विद्यार्थियों ने समसामयिक चुनौतियों पर अपने विचार सांझा किए। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के साथ-साथ महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों ने भी बड़-बड़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना संयोजक प्रो. घनश्याम सिंह कसाना के नेतृत्व में हुआ। इस मौके पर प्रो. चंदन सिंघल, प्रो. शोशराम मीणा व प्रो. रेखा यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के समापन पर निर्णायक मंडल द्वारा सभी निबंधों का बारीकी से मूल्यांकन किया गया, जिसके बाद अंतिम परिणामों की घोषणा की गई। जिसमें प्रथम स्थान प्रिया कुमावत, द्वितीय स्थान शरुण बिदावत एवं प्रियांशु यादव, तृतीय स्थान आयुषी ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में संयोजक डॉ. घनश्याम सिंह कसाना ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपस्थित सभी प्राध्यापकों, निर्णायकों व प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

अलवर में पंच-सरपंच के चुनाव की डेट बदली

अलवर। अलवर में भी पंचायत चुनाव की तारीख बदली है। चुनाव 2 चरणों में ही होंगे। अब पहले चरण के लिए वोटिंग की तारीख 22 व 24 अक्टूबर तय की है। जो पूर्व में 23 व 25 अक्टूबर तय की थी। मतलब पहले चरण में जिला परिषद सदस्य व पंचायत समिति सदस्य के लिए 22 अक्टूबर और पंच व सरपंच के लिए 24 अक्टूबर को वोटिंग होगी। इसी तरह दूसरे चरण के लिए वोटिंग की तारीख भी बदली है। अब दूसरे चरण में जिला परिषद सदस्य व पंचायत समिति सदस्य के लिए मतदान 28 अक्टूबर और पंच व सरपंच के चुनाव के लिए मतदान 30 अक्टूबर को होगा। जबकि पहले चुनाव आयोग ने अलवर में दूसरे चरण की वोटिंग की तारीख 29 व 31 अक्टूबर तय की थी। इस तरह एक-एक दिन पहले चुनाव की नई तारीख घोषित की है। एक तरह से चुनाव लड़ने वालों को प्रचार में अब एक दिन कम मिलेगा। पंच,सरपंच के चुनाव का रिजल्ट वोटिंग के दिन ही आ जाएगा। वहीं पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य के चुनाव परिणाम देवउदनी एकमिंदारी के दिन 20 नवंबर को आएगा। जिला प्रमुख के चुनाव 25 नवंबर और प्रधान के चुनाव 27 नवंबर को होंगे।

